

टाइगर रज़िर्व में टाइगर सफारी

प्रलिस के ललल:

[सर्वोच्च नुयायालय](#), पखराऊ में टाइगर सफारी, [कॉरबेट टाइगर रज़िर्व](#), [केंद्रीय अनवेषण बयुरो](#), [राष्ट्रीय उदुयान](#), [वनयजीव अभयारणु](#), [वनयजीव \(संरक्षण\) अधनललुम, 1972](#), [टाइगर सफारी](#), [राष्ट्रीय वनयजीव बोरुड](#), [केंद्रीय चडुडललुघर प्ररधकररण](#), [राजाजी टाइगर रज़िर्व](#), नाहरगढु जैवकल उदुयान, [एशुयलई शेर](#), [रॉयल बंगाल टाइगर](#), [पैथर](#), लकडुबगुघर, [भेडुडलु](#), [हररण](#), [मगरमचुछ](#), [सुलॉथ बीयर](#), हडुललुडुी ब्लैक बीयर

डुनस के ललल:

कारबेट टाइगर रज़िर्व के बफर ज़ोन में टाइगर सफारी की सुथरपनर कर महतुतुव ।

[सुरोत: इंडुडलन एकसुपरस](#)

चरुचर में करुुु?

[सर्वोच्च नुयायालय](#) ने [कॉरबेट टाइगर रज़िर्व](#) के बफर कुषेतर में उतुतररखंड के पखराऊ में टाइगर सफारी की सुथरपनर कर डुनूरी डेने के प्रतुडुलकरव वुडकृत करुुु ।

- नुयायालय ने रेखरंकतल करुुुु, कल सफारी पारुक केवल सुथरनलड रूड से संकटगुरसुत, संघरुषरत डर अनरथ बरघुुु के लललु डुु, चडुडललुघरुुु से बचरए गर बरघुुु के लललु नुुी ।
- रदरलत ने [केंद्रीय अनवेषण बयुरो \(CBI\)](#) करुुु CTR के अंदर कथतल अनडुडडतलतररुुु की जरुुु डुरी करने के लललु तलन डुीने की सडुड-सुडडर डुी गरुुु डुु ।

टडुडडणी:

- [वन \(संरकुषण\) संशुुधन अधनललुडुड, 2023](#) करुुु डुुनूती डेने वरले डरडुुुु से संबंधतल अडुने अंतुरडुड आडेश डुु, [उचुकतडु नुयायालय](#) ने कहर, ककरसुी डुी सरकर डर प्ररधकररण डुवरर चडुडललुघर डर सफारी के नररुडरण करुुु सर्वोचुक नुयायालय से अंतडुड डुनूरी लेनी हुुगी ।

बाघ

राॅयल बंगाल टाइगर (*Panthera Tigris*) भारत का राष्ट्रीय पशु है।

बाघ की उप प्रजातियाँ

- * महाद्वीपीय (पैंथेरा टाइग्रिस टाइग्रिस)
- * सुंडा (पैंथेरा टाइग्रिस सोंडाइका)

प्राकृतिक अधिवास

उष्णकटिबंधीय वर्षावन,
सदाबहार वन,
समशीतोष्ण वन, मैंग्रोव
दलदल, घास के
मैदान और सवाना



देश जहाँ बाघ पाए जाते हैं

- 13 बाघ रेंज देश जहाँ यह प्राकृतिक रूप से पाए जाते हैं उनमें- भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, म्याँमार, रूस, चीन, थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम शामिल हैं।
- IUCN की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम में बाघ विलुप्त हो गए हैं।

संरक्षण की स्थिति

- IUCN रेड लिस्ट: लुप्तप्राय
- CITES: परिशिष्ट-I
- WPA 1972: अनुसूची-I

संरक्षण संबंधी प्रयास

- इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस (IBCA): बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जैगुआर और प्यूमा नामक सात बड़ी बिल्लियों के संरक्षण के लिये (भारत द्वारा शुरू)
- Tx2 अभियान: WWF द्वारा आरंभ किया गया; 2022 तक बाघों की आबादी को दोगुना करने के लक्ष्य को इंगित करते हुए 'टाइगर टाइम्स 2' को संदर्भित करता था
- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA): WPA, 1972 के तहत गठित
- प्रोजेक्ट टाइगर : 1973 में लॉन्च किया गया
- बाघों की गणना : प्रत्येक 5 वर्ष में

खतरे

- आवास विखंडन
- अवैध शिकार
- मानव-वन्यजीव संघर्ष

भारत में बाघ

- भारत में इनकी संख्या सबसे अधिक है
 - वर्ष 2022 तक, भारत में बाघों की संख्या 3167 थी
 - मध्य भारतीय उच्च भूमि और पूर्वी घाट में इनकी सबसे बड़ी आबादी पाई गई है
- टाइगर रिजर्व: भारत में अब 53 टाइगर रिजर्व हैं
 - नवीनतम टाइगर रिजर्व उत्तर प्रदेश का रानीपुर है
 - नागार्जुन सागर (आंध्र प्रदेश) सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है जबकि ओरंग (असम) सबसे छोटा (कोर क्षेत्र) है।

टाइगर सफारी:

परचय:

- टाइगर सफारी बाघों को उनके प्राकृतिक आवास में देखने के लिये चलाया जाने वाला एक अभियान है।
- ये सफारियाँ सामान्यतः [राष्ट्रीय उद्यान](#) और [वन्यजीव अभयारण्य](#) जैसे संरक्षित क्षेत्रों में होती हैं, विशेषतः भारत में, जिसमें **वशिव की 70% से अधिक जंगली बाघों की आबादी पाई जाती है।**

परभाषा:

- [वन्यजीव \(संरक्षण\) अधिनियम, 1972](#) में "[टाइगर सफारी](#)" को परभाषित नहीं किया गया है।
 - इस अधिनियम में कहा गया है कि "अभयारण्य के अंदर वाणिज्यिक पर्यटक लॉज, होटल, चड़ियाघर और सफारी पार्क का कोई भी निर्माण इस अधिनियम के तहत गठित [राष्ट्रीय वन्य जीव बोर्ड](#) की पूर्व मंजूरी के बिना नहीं किया जाएगा।

स्थापना:

- बाघ सफारी की अवधारणा को [राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण](#) द्वारा पर्यटन के लिये वर्ष 2012 के दशिका-नरिदेशों में प्रस्तुत किया गया था, जिससे बाघ अभयारण्यों के बफर क्षेत्रों में ऐसे पर्यटकों की अनुमति दी गई थी।
- वर्ष 2016 के NTCA दशिका-नरिदेशों में घायल, संघर्षरत या अनाथ बाघों के लिये बाघ अभयारण्यों के बफर एवं सीमांत क्षेत्रों में "टाइगर सफारी" की स्थापना की अनुमति दी, इसमें यह शर्त रखी गई कि चड़ियाघरों से कोई बाघ शामिल नहीं किया जाना चाहिये।
- वर्ष 2019 में NTCA ने बाघ सफारी के लिये चड़ियाघरों से जानवरों को लाने की अनुमति दी, जिससे [केंद्रीय चड़ियाघर प्राधिकरण](#) को इन जानवरों का चयन करने का अधिकार मिला गया।

आवश्यकताएँ:

- वर्ष 2012 NTCA दशिका-नरिदेशों के तहत बाघ अभयारण्यों के अंदर पर्यटन दबाव को कम करने की रणनीतिक रूप में सफारी पार्कों का समर्थन किया।
- ऐसे जानवरों को दूर के चड़ियाघरों में स्थानांतरित करने का विरोध किया जा रहा है जो जंगल के लिये उपयुक्त नहीं हैं जैसे कि घायल, अनाथ या संघर्षरत जानवर।
- सफारी पार्क ऐसे जानवरों को उनके प्राकृतिक वातावरण में रखने का एक तरीका प्रदान करते हैं।
- स्थानीय समुदायों की आजीविका की आवश्यकताओं का समर्थन करने वाली गतिविधियों को समायोजित करने के लिये बफर क्षेत्रों को नामित किया गया था।
- सफारी पार्क आय सृजित करने के साथ बाघ संरक्षण हेतु स्थानीय समर्थन को बढ़ावा देने में योगदान करते हैं।

चिंताएँ:

- चड़ियाघर के बाघों अथवा बाघों के आवास के भीतर अन्य बंदी जंतुओं को रखने सेवन्य बाघों और अन्य वन्यजीवों में बीमारी के संचरण का जोखिम होता है।
- बंदी जंतुओं को अलग-अलग स्थानों पर बंदी बनाकर रखने से उनकी बंदी स्थिति में कोई बदलाव नहीं आता है। रज़िर्व में "संरक्षित/बचाए गए" बाघों के लिये सफारी पार्क बनाना समग्र रूप से इस प्रजाति के संरक्षण की तुलना में वैयक्तिक बाघों के कल्याण पर अधिक ध्यान केंद्रित करना दर्शाता है जिससे प्राकृतिक आवास प्रभावित हो सकते हैं।
 - सफारी पार्कों में "संरक्षित/बचाए गए" बाघों को प्रदर्शित करने की अवधारणा संकटग्रस्त जंतुओं को सार्वजनिक दृश्य से दूर रखने के मानदंड से भिन्न है।
 - वर्ष 2016 के दशिका-नरिदेश में इस संबंध में उल्लिखित है कि सफारी पार्कों में प्लेसमेंट से पहले प्रत्येक "संरक्षित/उपचारित जंतु" के लिये NTCA द्वारा मूल्यांकन अनिवार्य था।
- सर्वोच्च न्यायालय ने नरिणय किया कि NTCA की टाइगर सफारी को अनिवार्य रूप से बाघ अभयारण्यों के भीतर चड़ियाघर के रूप में व्याख्या करना बाघ संरक्षण के उद्देश्य के विपरीत है।
- अभयारण्यों में बाघों के समीप पर्यटकों की संख्या को कम करने के प्रयास विफल रहे हैं क्योंकि सफारी मार्ग और भी अधिक पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

कार्बेट टाइगर रज़िर्व:

परचय:

- यह उत्तराखंड के नैनीताल ज़िले में अवस्थित है। वर्ष 1973 में [प्रोजेक्ट टाइगर](#) की शुरुआत [कार्बेट नेशनल पार्क \(भारत का पहला राष्ट्रीय उद्यान\)](#) में हुई थी, जो कि [कार्बेट टाइगर रज़िर्व](#) का एक हिस्सा है।
 - इस राष्ट्रीय उद्यान की स्थापना वर्ष 1936 में [हैली नेशनल पार्क](#) के रूप में की गई थी जिसका उद्देश्य लुप्तप्राय बंगाल टाइगर का संरक्षण करना था।
- इसके मुख्य क्षेत्र में [कार्बेट राष्ट्रीय उद्यान](#) जबकि बफर ज़ोन में [आरक्षित वन](#) और साथ ही [सोन नदी वन्यजीव अभयारण्य](#) शामिल हैं।
- रज़िर्व का पूरा क्षेत्र पहाड़ी है और यह [शिवालिक तथा बाह्य हिमालय भूवैज्ञानिक प्रांतों](#) के अंतर्गत आता है।
- [रामगंगा, सोननदी, मंडल, पालेन और कोसी](#), रज़िर्व से होकर बहने वाली प्रमुख नदियाँ हैं।

उत्तराखंड के अन्य प्रमुख संरक्षित क्षेत्र:

- [नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान](#)
- फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान
 - फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान और नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान एक साथ [यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल](#) हैं।

- राजाजी राष्ट्रीय उद्यान
- गंगोत्री राष्ट्रीय उद्यान

राजाजी राष्ट्रीय उद्यान

परिचय:

- **पृष्ठभूमि:** उत्तराखण्ड में तीन अभयारण्यों अर्थात् **राजाजी, मोतीचूर एवं चीला** को एक बड़े संरक्षित क्षेत्र में मिला दिया गया और प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी **सी. राजगोपालाचारी** के नाम पर वर्ष **1983** में **राजाजी राष्ट्रीय उद्यान** का नाम दिया गया; **लोकप्रिय रूप से "राजाजी"** के नाम से जाने जाते हैं।
- **वर्षापात:**
 - यह क्षेत्र **एशियाई हाथियों** के निवास स्थान की उत्तर पश्चिमी सीमा है।
 - वन प्रकारों में साल वन, नदी तटीय वन, चौड़ी पत्ती वाले मशरुति वन, झाड़ियाँ और घास वाले वन शामिल हैं।
 - वर्ष 2015 में इसे **टाइगर रजिस्टर** घोषित किया गया था।
 - यह शीतकाल में वन **गुज्जर जनजातियों** का निवास स्थान है।

आगे की राह

- **रोग संचरण जोखिमों को संबोधित करना:** बंदी जानवरों को बाघ के आवासों में लाने से पहले उनकी कड़ी स्वास्थ्य जाँच और संगरोध प्रोटोकॉल लागू करना।
- कल्याण तथा संरक्षण को संतुलित करना: दशा-नरिदेश एवं प्रबंधन योजनाओं को वकिसति करना जो प्रजातियों के संरक्षण को प्राथमिकता दें और जानवरों के कल्याण पर विचार करते हुए प्राकृतिक आवासों में व्यवधान को कम करें।
- नरीक्षण तथा मूल्यांकन को बढ़ाना: वर्ष 2016 के दशा-नरिदेशों में उल्लिखित सतर्क दृष्टिकोण के आधार पर नगरानी एवं मूल्यांकन तंत्र को मज़बूत करना और साथ ही यह भी सुनिश्चित करना कि राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) सफारी पार्कों में उनके प्लेसमेंट को मंजूरी देने से पहले प्रत्येक "संरक्षित एवं उपचारित जानवरों" का गहन मूल्यांकन करता है।
- संरक्षण लक्ष्यों के साथ संरेखित करना: संरक्षण संगठनों, सरकारी एजेंसियों तथा कानूनी अधिकारियों के बीच संवाद को बढ़ावा देना ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि नीतियाँ एवं प्रथाएँ नैतिक मानकों को बनाए रखते हुए दीर्घकालिक संरक्षण प्रयासों का समर्थन करती हैं।
- सतत पर्यटन प्रबंधन: बाघ अभयारण्यों पर पर्यटकों की भीड़ के प्रभाव को कम करने के लिये स्थायी पर्यटन प्रथाओं को लागू करें। आगंतुक यातायात को अधिक प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने हेतु आगंतुक कोटा, विविध पर्यटक गतिविधियों और बेहतर बुनियादी ढाँचे जैसे विकल्पों का पता लगाएँ।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न.1 नमिनलखिति जोड़ियों पर विचार कीजिये: (2013)

राष्ट्रीय उद्यान - उद्यान से होकर बहने वाली नदी

1. कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान : गंगा
2. काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान : मानस
3. साइलेंट वैली राष्ट्रीय उद्यान: कावेरी

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

- (a) 1 और 2
- (b) केवल 3
- (c) 1 और 3
- (d) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (d)

प्रश्न.2 नमिनलखिति बाघ आरक्षित क्षेत्रों में "क्रांतिक बाघ आवास (Critical Tiger Habitat)" के अंतर्गत सबसे बड़ा क्षेत्र किसके पास है? (2020)

- (a) कॉर्बेट
- (b) रणथंभौर
- (c) नागार्जुनसागर-श्रीसैलम
- (d) सुंदरबन

उत्तर: C

??????:

प्रश्न. "वभिन्न प्रतियोगी क्षेत्रों और साझेदारों के मध्य नीतगत वरिधाभासों के परणामस्वरूप पर्यावरण के 'संरक्षण तथा उसके नमिनीकरण की रोकथाम' अपर्याप्त रही है।" सुसंगत उदाहरणों सहति टपिपणी कीजयि। (2018)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/tiger-safari-in-tiger-reserve>

